32 PAGES ANSWER BOOK

विषय Subject : हिन्दी

विषय कोड Subject Code : 051

परीक्षा की दिनांक / Date of Exam 020323

उत्तर देने का माध्यम
Medium of answering the paper : हिन्दी

प्रश्न पत्र का सेट
Set of the Question paper : B

गोले भरने हेतु उदाहरण :-
सही तरीका :-
● ○ ○ ○
गलत तरीका :-
⊗ ⊘ ○ ◐ ◉ ○

नोट :-
इस शीट को भरने के पूर्व इस पृष्ठ के पीछे दिए गए उदाहरण को देखें।

कार्यालय उपयोग के लिए

ID NO.
6185087
SUB.
051 - HINDI
5
Bag.
20511323

केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		
कुल प्राप्तांक शब्दों में		कुल प्राप्तांक अंकों में

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

➔ प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
	C. D. KORI (Varistha Adhyapak) Govt. Hr. S. School Sahajpur Kesli, Sagar (M.P.) C.No.........

② [ ] + [ ] = [ ]
योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 2 के अंक कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र. 1

उत्तर

(i) दत्ताजी राव के यहाँ

(ii) नाभिक

(iii) शब्दालंकार

(iv) चार कालों में

(v) प्यार से देखती है।

(vi) पैसे की

BSE

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र. 2

उत्तर

(i) श्रोता

(ii) पाँच वर्ष की उम्र

(iii) बिहारी

B (iv) कागज के पन्ने से

S

E (v) बिड़ला मन्दिर

(vi) सरल वाक्य

(vii) मात्रिक छन्द

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र. 3

उत्तर

(i) मस्ती का संदेश – हरिवंश राय बच्चन

(ii) चौपाई छन्द – 16 मात्राएँ

(iii) चित्रकार – चितेरा

B
S (iv) सम्पादकीय पृष्ठ – अखबार की अपनी आवाज
E

(v) हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग – भक्तिकाल

(vi) छायावाद के प्रवर्तक कवि – जयशंकर प्रसाद

(5)

BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

कुल अंक

प्रश्न क्र. 4

उत्तर

(i) लुट्टन सिंह पहलवान की ढोलक की आवाज मृत गाँव में संजीवनी शक्ति भरती रहती थी।

(ii) चन्द्रगुप्त चाणक्य की नाट्य रचना है।

(iii) कवि ने स्लेट पर लाल खड़िया मलने की बात कही है।

(iv) सोरठा छन्द मात्राओं की दृष्टि से दोहा छन्द का उल्टा होता है।

(v) ऐसा लघु वाक्यांश जिसके प्रयोग से भाषा में सौंदर्य उत्पन्न होता है, उसे मुहावरा कहते हैं।

(vi) रेडियो नाटकों में पात्रों की पहचान संवाद के माध्यम से होती है।

(vii) सिन्धु - घाटी सभ्यता में ~~कौन - कौन~~ स अंगूर उगाए जाते थे।

[redacted]

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र. 5

उत्तर

(i) सत्य

(ii) सत्य

(iii) असत्य

(iv) असत्य

(v) सत्य

(vi) असत्य

BSE

⑦

प्रश्न क्र. 6

उत्तर

अथवा

लक्षणा शब्द शक्ति की परिभाषा - जिस शब्द का अभिधा के द्वारा मुख्यार्थ का बोध न हो, तब उस शब्द से अर्थ का बोध कराने वाली शक्ति को लक्षणा शब्द शक्ति कहते हैं।

उदाहरण - रामू तो गधा है।

Laser, I

कुल अंक

प्रश्न क्र. 7

उत्तर

तकनीकी शब्द का अर्थ -

किसी विषय से संबंधित ऐसे शब्द जिनका प्रयोग मुख्य रूप से उसी विषय की चर्चा करने के लिए किया जाता है। तकनीकी शब्द कहलाते है।

तकनीकी शब्द - 'गुरुत्वाकर्षण', आवृत्ति, यज्ञ, जप, भावना आदि तकनीकी शब्द है।

BSE

प्रश्न क्र. 8

उत्तर

(i) मोहन पुस्तक पढ़ रही है।

शुद्ध वाक्य - मोहन पुस्तक पढ़ रहा है।

(ii) जंगल में शेर चिंघाड़ने लगा।

शुद्ध वाक्य - जंगल में शेर दहाड़ने लगा।

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

अंक कुल अंक

प्रश्न क्र. 9

उत्तर

कवि के मन में भावनात्मक आवेग उमड़ा और उसके में विचार का बीज बोकर चला गया।
अर्थात् कवि ने अपने खेत में शब्द रूपी या विचार रूपी बीज बोया था।

B
S
E

MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र. 10

अथवा

उत्तर

जब मेघनाद द्वारा शक्ति तीर मारने पर लक्ष्मण जी मूर्छित हो गए थे। तब लक्ष्मण जी के लिए संजीवनी बूटी लाने के लिए हनुमान जी गये थे।

BSE

प्रश्न क्र. 11

उत्तर

जेब के भरे होने पर और मन के खाली होने पर तथा मन में निश्चित भाव न होने के कारण ग्राहक हर वस्तु को अच्छा समझता है और अधिक आराम व शान के लिए गैर जरूरी चीजें खरीदता है। और अपना समय व धन दोनों को नष्ट करता है।

B
S
E

MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र. 12

अथवा

उत्तर

महादेवी वर्मा जी ने स्वयं और भक्तिन के मध्य नौकर और मालिक के सम्बध को नकारा है। उनका कहना है कि भाक्तीन को नौकर कहना उसी प्रकार अनुचित है जिस प्रकार अंधेरा - उजाला और गुलाब और आम को सेवक मानना है।

x 33.9mm x 16

BSE

प्रश्न क्र. 13

अथवा

उत्तर

मोहन जोदड़ो के घरों की निम्न लिखित विशेषताएँ थी -

(i) मोहन जोदड़ो के घरों में एक ही आकार की ईंटों का प्रयोग किया गया है।

(ii) मोहनजोदड़ो के घरों के द्वार मुख्य सड़क की ओर नहीं होते थे।

(iii) मोहनजोदड़ो की नगर योजना सुनियोजित ढंग से बसाए गए है।

(iv) मोहनजोदड़ो में गलियाँ सँकरी है।

(v) मोहनजोदड़ो में भण्डारगृह व स्नानागृह की पूर्ण व्यवस्था थी।

BSE

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF

प्रश्न क्र. 15

उत्तर

अथवा

संदेह अलंकार की परिभाषा -

जहाँ काव्य में रूप, रंग, गुण की समानता के कारण किसी वस्तु को देखकर यह निश्चित न हो की यह वही वस्तु है, वहाँ संदेह अलंकार होता है।

संदेह अलंकार का उदाहरण -

लक्ष्मी थी या दुर्गा थी या वह
स्वयं वीरता की आवि अवतार।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र. 17

अथवा

उत्तर

(क) गद्यांश का उचित शीर्षक – हास्य – व्यंग्य।

(ख) नीरस जीवन को कौन सुखद बना देता है?

उत्तर नीरस जीवन को हास्य – व्यंग्य सुखद बना देता है।

B S E

(ग) गद्यांश का सार –

प्रस्तुत गद्यांश में हास्य – व्यंग्य का वर्णन किया गया है। हास्य – व्यंग्य का जादू इतना प्रभावशाली होता है, कि वह छूने से फैलने वाले रोग की तरह चारों ओर फैल जाता है। स्य – व्यंग्य नीरस जीवन अर्थात् उदास जीवन में भी सुख भर देता है। हास्य का जादू उदास व्यक्ति को हँसना तथा जीवन जीना सिखाता है। व्यक्ति को अपने जीवन में हर मुसीबत में हँसते रहना चाहिए। हँसी के सहारे मनुष्य अपने अतीत को भुला सकता है। संघर्ष, तनाव, घुटन आदि से बचने के लिए हमें हँसना सीखना चाहिए।

प्रश्न क्र. 18

उत्तर हरिवंशराय बच्चन जी का जीवन परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर निम्न लिखित है।

जन्म - सन् 1907 में इलाहाबाद में (उत्तर प्रदेश)
मृत्यु - सन् 2003 में मुंबई में हुई

(i) दो रचनाएँ - मधुशाला, मधुबाला, मधुकलश आदि। हरिवंशराय बच्चन जी की रचनाएँ है।

(ii) भावपक्ष - कलापक्ष - हरिवंश राय बच्चन जी ने भी साधारण विषय - वस्तु को भी बहुत महत्व दिया है, ~~संघर्ष~~ संघर्षशील जीवन और पुर्निमाण की प्रेरणा काव्य के प्रमुख स्वर है, ये स्वर प्रेम, मस्ति, दीवानगी के है। इन्होंने सहज काव्य की रचना की है
हरिवंशराय बच्चन जी लाक्षणिक वक्ता के साथ - साथ जीवन्त भाषा की शैली में अपनी बात कहने में निपुण थे।

साहित्य में स्थान - साधारण बोलचाल की भाषा को काव्य गरिमा प्रदान करने का श्रेय बच्चन जी को जाता है। ये आधुनिक युग के प्रगतिवादी के सर्वश्रेष्ठ कवि थे।

BSE

प्रश्न क्र. 19

उत्तर

धर्मवीर भारती जी का साहित्यिक जीवन परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर निम्न लिखित है -

जन्म - सन् 1926 में इलाहाबाद में हुआ।
मृत्यु - सन् 1997 में हुआ था।

(i) दो रचनाएँ - कनुप्रिया, गुनाहों का देवता, मुर्दों का गाँव, नदी प्यासी थी।

B
S
E

(ii) भाषा - शैली - भारती जी ने निबंध और रिपोर्ताज भी लिखे है। इनकी रचनाओं में सहजता तथा आत्मीयता है। इनकी भाषा सहज व सरल है। इनकी रचनाओं में रस, छन्द, अलंकार आदि का प्रयोग किया गया भारती जी बड़ी से बड़ी बात को साधारण बोलचाल की भाषा कहते थे। और सीधे पाठकों के मन को छू लेते थे।

(iii) साहित्य में स्थान - धर्मवीर भारती जी का हिन्दी साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान था।

प्रश्न क्र 20
उत्तर

ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध लगाने हेतु -

सेवा में,
श्रीमान जिलाध्यक्ष महोदय जी,
जिला - छतरपुर (म. प्र.)

विषय - ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध लगाने हेतु ।

महोदय,
विनम्र निवेदन है कि आपको यह तो विदित ही है कि शहर में इस समय परीक्षा का समय अति निकट है । सभी विद्यार्थी अपनी परीक्षा की तैयारी में व्यस्त है किन्तु सड़कों तथा गली मुहल्लों में बजाए जा रहे तीव्र ध्वनि वाले यंत्रो के कारण हम लोगों का पढ़ना मुश्किल हो गया है तथा सोने में भी व्यवधान उत्पन्न हो रहा है ।

अतः आपसे निवेदन है कि आप अपनी दण्डात्मक शक्तियों का प्रयोग करके परीक्षा समाप्त होने तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करने का कष्ट करें । तो आपका उपकार होगा ।

दिनांक - 02/03/2023

प्रार्थी
नाम. सुरेन्द्र...

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र. 23

उत्तर

गद्यांश की संदर्भ - प्रसंग सहित व्याख्या -

(i) संदर्भ - प्रसंग - प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक 'आरोह भाग - 2' में संकलित 'पहलवान की ढोलक' नामक कहानी से लिया गया है। इसके रचयिता फणीश्वर नाथ रेणु जी है इस गद्यांश के माध्यम से कवि ने ग्रामीण परिवेश, दंगल व प्राकृतिक विभीषिका का चित्रण किया है।

B
S
E

(ii) व्याख्या - कवि के अनुसार इस कविता का मुख्य पात्र पहलवान लुट्टन सिंह है एक बार लुट्टन पहलवान श्यामनगर के मेले में दंगल देखने गया। पहलवान लुट्टन ने जब अखाड़े में कुश्ती होते हुए देखी तो उससे रहा नहीं गया। जवानी की मस्ती और ढोल की ललकारती आवाज ने पहलवान लुट्टन की नसों में बिजली भर दी और लुट्टन पहलवान ने बिना कुछ सोचे-समझे दंगल में उतरकर 'शेर के बच्चे' के नाम से प्रख्यात पंजाब के पहलवान चाँद सिंह को चुनौती दे दी।

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD

प्रश्न क्र. 24

निबंध :- (ii) पर्यावरण की सुरक्षा

रूपरेखा - (i) प्रस्तावना
(ii) पर्यावरण की उपयोगिता व महत्व
(iii) पर्यावरण प्रदूषण
(iv) पर्यावरण की सुरक्षा
(v) उपसंहार

(i) प्रस्तावना => पर्यावरण मानव जीवन की आधारशिला है, यह प्रकृति की अनुपम देन है पर्यावरण का होना मानव जीवन के लिए ~~चिन्ता~~ नितान्त आवश्यक है पर्यावरण का मानव जीवन मे महत्वपूर्ण स्थान है। पर्यावरण को स्वच्छ रखना हमारा परम कर्तव्य है।

(ii) पर्यावरण की उपयोगिता व महत्व => पर्यावरण स्वरूप की हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका है। हमें अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्यावरण पर निर्भर रहना पड़ता है पर्यावरण का महत्व आज अनेक क्षेत्रों मे है। जैसे- लकड़ी के कारखाने में फर्नीचर, कागज उद्योग में कागज बनाने के लिए लकड़ी की आवश्यकता होती है जो हमें पर्यावरण अर्थात पेड़ों से प्राप्त होती है, फल, शुद्ध वायु, तथा औषधियाँ भी हमें पेड़-पौधों से प्राप्त होती है।

B
S
E

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(iii) पर्यावरण प्रदूषण => पर्यावरण प्रदूषण के आज के युग में निम्न लिखित कारण है। जैसे - कारखानों से निष्कासित गंदा जल नदियों, तालाबों में छोड़ देने से जल प्रदूषण होता है तथा बढ़ती जनसंख्या के कारण और घटती हुई वृक्षों की संख्या से वातावरण में शुद्ध वायु की अपेक्षा अशुद्ध वायु की मात्रा अधिक हो रही है।

B
S (iv) पर्यावरण की सुरक्षा => मानव अपनी प्राकृतिक आवश्यकताओं के लिए पर्यावरण पर आश्रित है इसलिए पर्यावरण की सुरक्षा हर मानव का उत्तरदायित्व है। पेड़ से मानव को ऑक्सीजन प्राप्त होती है जिसके अभाव में मानव जीवन सम्भव नहीं है अर्थात सभी को दस - दस वृक्ष लगाने होंगे इससे पर्यावरण शुद्ध हो सकता है।
E

oddyindia.com

उपसंहार => हर मानव को पर्यावरण का महत्व पता होना चाहिए अर्थात प्रत्येक मानव को पर्यावरण स्वच्छता की ओर कदम बढ़ाने चाहिए तथा पर्यावरण को शुद्ध रखने का प्रयास करना चाहिए।

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF S

प्रश्न क्र. 22

उत्तर

(1) संदर्भ-प्रसंग => प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक 'आरोह भाग-2' में संकलित पतंग नामक कविता से उद्धृत है। इसके रचयिता 'आलोक धन्वा' जी हैं। इस कविता में कवि ने पतंग के साथ बच्चों की तुलना करके बालपन का चित्रण किया है।

व्याख्या => कवि कहता है कि भादों की तेज बौछारें गयी और सवेरा हुआ है। कवि ने सवेरे की तुलना खरगोश की आँखों से की है लाल सवेरा खरगोश की आँखों के समान लगता है। शरद ऋतु आई पुलों को पार करते हुए अपनी नयी साइकिल चलाते हुए शरद ऋतु के आगमन की तुलना साइकिल से की है और शरद साइकिल की घंटी जोर-जोर से बजाते हुए आ रहा है, और चमकीले इशारे करते हुए पतंग उड़ाने वाले बच्चों के झुंड को बुलाता प्रतीत होता है।

B
S
E

MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र. 14

उत्तर

फिल्म और रंगमंच

नए और अप्रत्याशित विषयों के लेखन से छात्रों में जिज्ञासा का गुण और पढ़ने का गुण [illegible]न होता है।

ST.16 A4

BSE